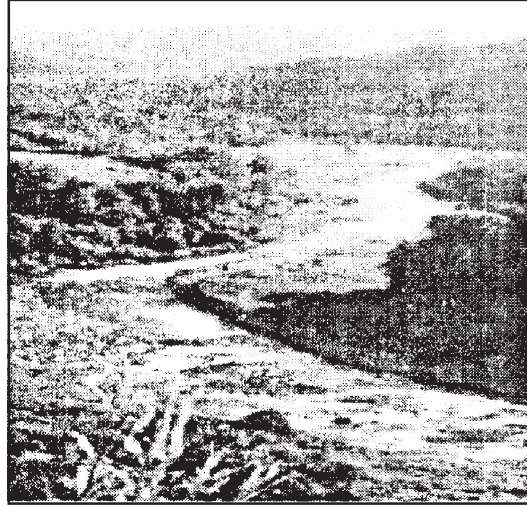




पाठ-आठ चन्द्रनदी

भूधर, अभिनव, आकर्षक, हिलोर, व्योम, हिंस्र, परिपूर्ण, कैंटीला, झाड़ी, समतल, दूब, करुणा।



दिख रहा दूर यह भूधर कितना सुन्दर !
अभिनव मोहक आकर्षक,
शांति भरी उठ रहीं हिलोरें।
बढ़ा चढ़ा है नील गगन से।
जा मिला है क्या नील व्योम से यह ?
देखने से एक बार,
हटती नहीं दृष्टि,
लेकिन क्या सचमुच है यह उसका रंग ?
नहीं, दिखेगा पहुँचने पर निकट।

हिंस्र पशुओं से परिपूर्ण, घना
जंगल कँटीली झाड़ियों का,
थोड़ी सी समतल भूमि दूब भरी।
करुणा भरा दृश्य चन्द्रनदी के निकट।
(कवि कमल की कविता का अनुवादांश)

प्रश्न-अभ्यास

- नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझिए :
भूधर = पहाड़, पर्वत।
अभिनव = नया, ताजा।
आकर्षक = रोचक, खींचने वाला।
हिलोर = जल-तरंग, लहर।
व्योम = आकाश, गगन।
हिंस्र = घातक, जंगली, खूंखार।
कँटीला = काँटेदार।
समतल = चौरस।
दूब = दूर्वा, एक प्रसिद्ध घास, हरिता।
- उत्तर दीजिए :
(क) भूधर दूर से कैसा दिख रहा है ?
(ख) कैसी हिलोरें उठ रही हैं ?
(ग) किससे कवि की दृष्टि नहीं हटती है ?
(घ) उस भूधर के निकट पहुँचने पर क्या दिखाई देगा ?
(ङ) चन्द्रनदी के निकट का दृश्य कैसा है ?
(च) 'चन्द्रनदी' कविता का मूल भाव लिखिए।
(छ) मणिपुर की किसी नदी के बारे में कुछ वाक्य लिखिए।

3. वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

भूधर	-----
अभिनव	-----
आकर्षक	-----
हिलोर	-----
व्योम	-----
परिपूर्ण	-----
कंटीली	-----
समतल	-----

4. पढ़िए और समझिए :

भूधर	-	पुल्लिंग
शांति	-	स्त्रीलिंग
हिलोर	-	स्त्रीलिंग
गगन	-	पुल्लिंग
व्योम	-	पुल्लिंग
दृष्टि	-	स्त्रीलिंग
जंगल	-	पुल्लिंग
झाड़ी	-	स्त्रीलिंग
दूब	-	स्त्रीलिंग
दृश्य	-	पुल्लिंग